Education with Fun

Name: ______________________________ Date: ____________________

# सुदामा चरित

प्रश्न-1 अनुमान कीजिए यदि आपका कोई अभिन्न मित्र आपसे बहुत वर्षों बाद मिलने आए तो आप को कैसा अनुभव होगा?

उत्तर ____________________________________________________________

____________________________________________________________

____________________________________________________________

प्रश्न-2 “पानी परात को हाथ छुयो नहिं, नैनन के जल सो पग धोए”
ऊपर लिखी गई पंक्ति को ध्यान से पढ़िए। इसमें बात को बहुत अधिक बढ़ा-चढ़ाकर चित्रित किया गया है। जब किसी बात को इतना बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया जाता है तो वहाँ पर अतिशयोक्ति अलंकार होता है। आप भी कविता में से एक अतिशयोक्ति अलंकार का उदाहरण छाँटिए।

उत्तर ____________________________________________________________

____________________________________________________________

____________________________________________________________

प्रश्न-3 सुदामा की दीनदशा देखकर श्रीकृष्ण की क्या मनोदशा हुई? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर ____________________________________________________________

____________________________________________________________

____________________________________________________________

____________________________________________________________

https://educationwithfun.com

# सुदामा चरित

प्रश्न-1 अनुमान कीजिए यदि आपका कोई अभिन्न मित्र आपसे बहुत वर्षों बाद मिलने आए तो आप को कैसा अनुभव होगा?

उत्तर यदि कोई मित्र बहुत वर्षों के बाद हमसे मिलने आए तो हमें अत्यंत प्रसन्नता होगी। हमें बड़े आदर और सम्मान के साथ उसका स्वागत करना चाहिए तथा उसका कुशल-मंगल पूछना चाहिए।

प्रश्न-2 "पानी परात को हाथ छुयो नहिं, नैनन के जल सो पग धोए"
ऊपर लिखी गई पंक्ति को ध्यान से पढ़िए। इसमें बात को बहुत अधिक बढ़ा-चढ़ाकर चित्रित किया गया है। जब किसी बात को इतना बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया जाता है तो वहाँ पर अतिशयोक्ति अलंकार होता है। आप भी कविता में से एक अतिशयोक्ति अलंकार का उदाहरण छाँटिए।

उत्तर "कै वह टूटी-सी छानी हती, कहँ कंचन के अब धाम सुहावत।" - यहाँ अतिश्योक्ति अलंकार है।

टूटी सी झोपड़ी के स्थान पर अचानक कंचन के महल का होना अतिश्योक्ति है।

प्रश्न-3 सुदामा की दीनदशा देखकर श्रीकृष्ण की क्या मनोदशा हुई? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर सुदामा की दीनदशा को देखकर श्रीकृष्ण को बहुत दुख हुआ। दुख के कारण श्री कृष्ण की आँखों से आँसू बहने लगे। उन्होंने सुदामा के पैरों को धोने के लिए पानी मँगवाया। परन्तु उनकी आँखों से इतने आँसू निकले की उन्ही आँसुओं से सुदामा के पैर धुल गए।

https://educationwithfun.com